



522
M.K.N.

समाजशास्त्र टेस्ट-13

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTV F
OPT-24 13S0C24

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: IQABAL AHMAD

Mobile Number: 9876543210

Medium (English/Hindi): HINDI

Reg. Number: 1234567890

Center & Date: 09 Sept. 24

UPSC Roll No. (If allotted): 6421410

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में मुद्रित हैं।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिये जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

जहाँ आवश्यक हो, अपने उत्तर को उपयुक्त चित्रों/मानचित्रों तथा आरेखों द्वारा दर्शाएँ। इन्हें प्रश्न का उत्तर देने के लिये दिये गए स्थान में ही बनाना है।

प्रश्नों के उत्तरों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। यदि काटा नहीं हो, तो प्रश्न के उत्तर की गणना की जाएगी चाहे वह उत्तर अंशतः दिया गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

There are EIGHT questions divided in TWO SECTIONS and printed both in HINDI & ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Questions no. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, any THREE are to be attempted choosing at least ONE from each section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (Q.C.A.) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Illustrate your answers with suitable sketches/maps and diagrams, wherever considered necessary. These shall be drawn in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)	प्र. सं. (Q.No.)	a	b	c	d	e	कुल अंक (Total Marks)
1							5						
2							6						
3							7						
4							8						
						सकल योग (Grand Total)							

मूल्यांकनकर्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)



- | | |
|---|--|
| 1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता) | 2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता) |
| 3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता) | 4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह) |
| 5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता) | 6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता) |
-



खण्ड-क/ SECTION - A

1. Answer the following in about 150 words each:

निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये:

(a) श्रम और समाज पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

Write a short note on labour and society.

10 × 5 = 50

10 × 5 = 50

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।

(Candidate must
not write on this
margin)

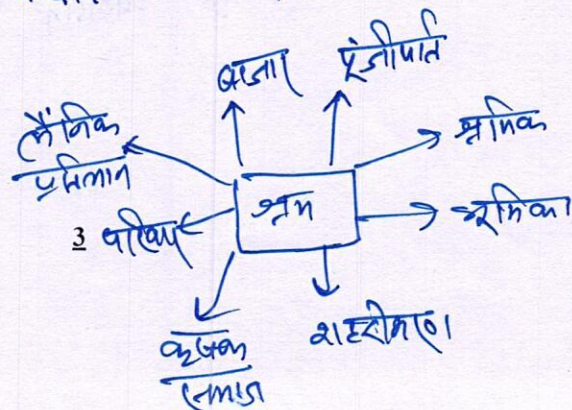
समाज में श्रम विज्ञान भी एक विस्तृत पध्दति। पार्श्व
जो है जो सामाजिक विज्ञान की अवधारणा के रूप
में अन्वेषणात्मकता के आधार पर निर्धार होती है।

श्रम :

⇒ श्रम से तात्पर्य एक कार्य करने एवं अपने उत्पत्तियों
के क्षेत्र से आत्मसात होने की अनुकूल से है जिसे
प्रत्येक सामाजिक व्यक्ति एक संस्था के रूप में अपने
जीवन में शामिल करता है।

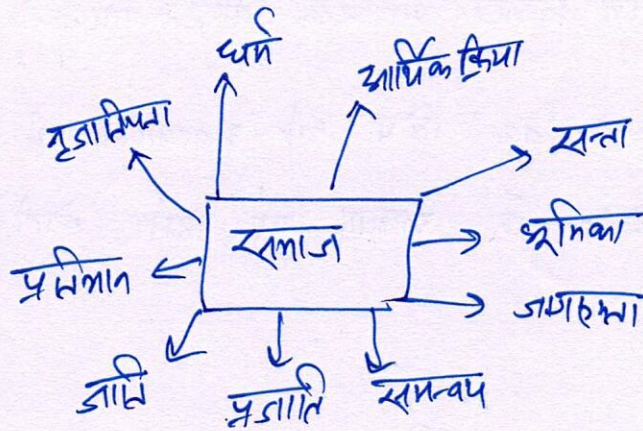
⇒ श्रम से ही श्रमिक एवं अपने ~~प्रतिफल~~ ^{प्रतिफल} को

समाज में मोबादात देता है।



समाज:

मानवों के समूह की वृद्ध ईकाई को समाज कहा जाता है।



⇒ समाज सभी क्षेत्रीय तत्वों के अग्रहण एक इंसान की प्रकृति के आधार पर रिक्रम हुआ होता है।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि अगर एक समाज एक इंसान या निजी एक समाजीकरण की क्रिया को संभालने वाले ने प्रोवादान देते हैं।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

(b) समाज के संबंधों में परिवर्तन के साथ कार्य के संगठन के आयाम भी परिवर्तित होते हैं। दास एवं सामंती समाज में कार्य के संगठन के आलोक में चर्चा कीजिये।

Dimensions of organisation of work changes with the change in relations of society. Discuss in light the organisation of work in slave and feudal society.

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

सामाजिक संबंधों की शृंखला में परिवर्तन विभिन्न चरणों

एवं आर्थिक प्रणाली के विकास के माध्यम से देखा जा सकता है। यह परिवर्तन आदिम काल की समाज से ही समाज में दृष्टिगत है।

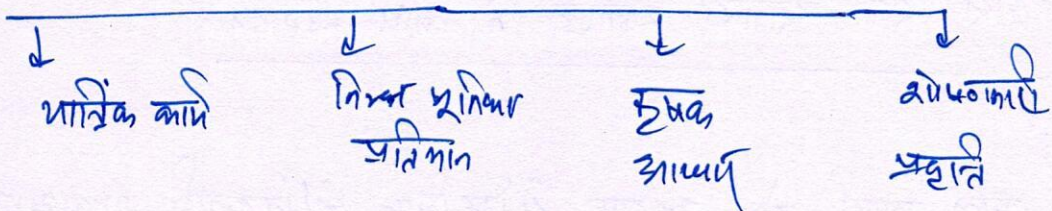
दास एवं सामंती समाज में कार्य संगठन :

कार्ल मार्क्स के अनुसार ऐतिहासिक भौतिकवादी दृष्टिकोण

के द्वितीय चरण में दास एवं सामंती समाज की स्थिति देखी गई।

- दास → अफ़िको को दास के रूप में स्वरूप
 एवं → दासों को कोई अधिकार नहीं
 शांती → शांती समाज में दासों की निजस्थिति
 समाज → वस्तुओं की तरह उपभोग किया गया
 → शांती सत्ता की सत्ता है हेतु दासों
 का विशेष स्वातंत्र्य, स्वतंत्रता, वंचितता
 की उपस्थिति।

समाज में कार्य संगठन:



इस प्रकार सामाजिक संबंधों के परिवर्तन की आवश्यकता
 में दास एवं शोषितवादी समाज में शोषणकारी प्रवृत्ति
 होती रही है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।

(Candidate must
not write on this
margin)

(c) गुणात्मक अनुसंधान पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

Write a short note on Qualitative research.

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

गुणात्मक अनुसंधान में तत्वों के आध्यक्ष पर निष्पक्ष
रूप से वस्तुनिष्ठ रूप से शोध कार्य किया जाता है। अनुसंधान
की दो प्रक्रिया महत्वपूर्ण होती हैं जिसमें परिमाणमय
(Quantitative) & गुणात्मक (Qualitative) अत्यंत महत्वपूर्ण
भूमिका में शोधकार्य हेतु निष्कर्ष तक पहुंचने का मार्ग
उपलब्ध करते हैं।

गुणात्मक अनुसंधान :

- ⇒ तत्वों के आध्यक्ष पर संकलन करते हुए गुणों एवं
अनुगुणों की रक्षा बनाए रखना
- ⇒ तत्पक्ष संकलन में विशेषज्ञताओं की खोज
- ⇒ गुण एवं तत्त्व के अन्तर्गत : गुणात्मक अनुसंधान में

प्रकीर्ण रहित होकर अनुसंधान करते हुए सत्त
तक खींचता है पहुँचा जा सकता है।

⇒ जोषी एवं कुशुप:

गुणात्मक अनुसंधान स्थितिजन्य अडिक्शन के माहिरन
से परिणाम प्राप्त करते वी एक श्रृंखला के रूप
में कार्य करते हैं।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि गुणात्मक अनुसंधान में
वैशेषता निष्पत्ति के साथ शोधार्थ के विभिन्न
तथ्यात्मक तत्वों से अकत होता है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

(d) समाजशास्त्र में अनुसंधान की ऐतिहासिक प्रविधि पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।

Write a short note on Historical Method of research in sociology.

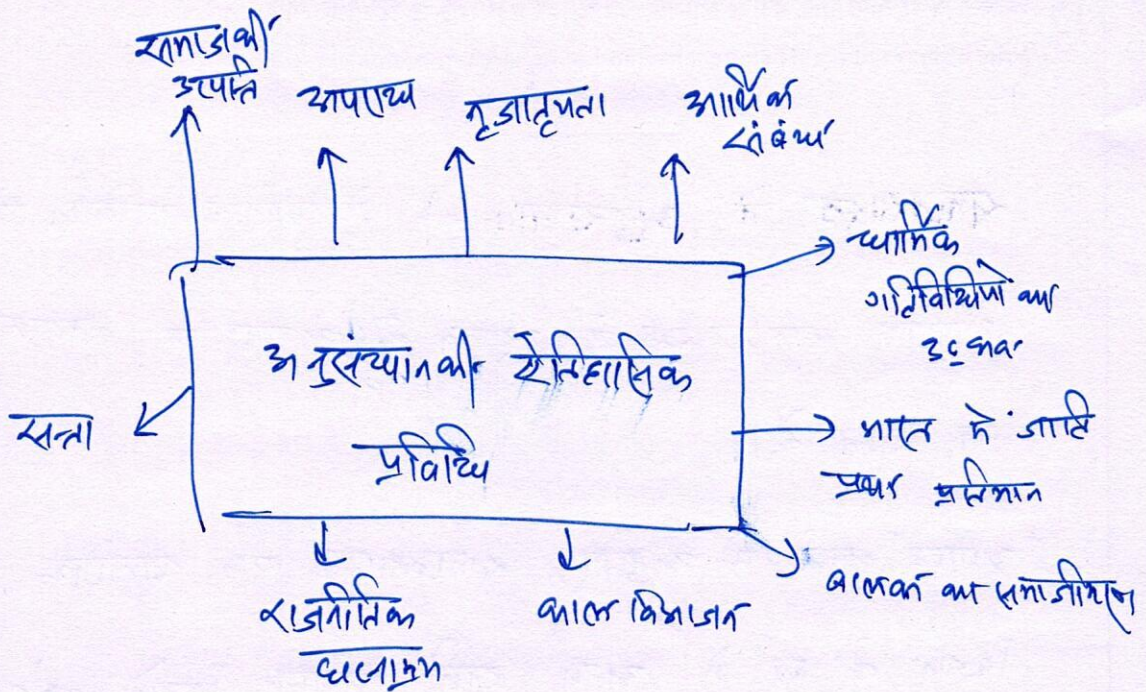
उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।

(Candidate must
not write on this
margin)

समाजशास्त्र में अनुसंधान की ऐतिहासिक प्रविधि से
अभिज्ञान समाजशास्त्र के उद्भव के आधार पर लगाया
जा सकता है।

अणुस्तर के अनुसार, समाजशास्त्र एक व्यापक
विज्ञान के रूप में अनेक समीप सामान्य विज्ञानों की
तरीके अनुसंधान की एक शृंखला प्रस्तुत करता है।

⇒ समाजशास्त्र की ऐतिहासिक प्रविधि में ऐतिहासिक दस्तावेजों
के आधार पर समाजवादी दृष्टियों के विकास के आधार पर
अवलोकन का निर्माण करते हुए परिभाषित किया जा
सकता है।



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

उपरोक्त के आधार पर यह जा सकता है कि अनुसंधान की ऐतिहासिक प्रविधि में भूतकाल की व्यवस्थाओं के आधार पर वर्तमान सामाजिक व्यवस्थाओं को समझने की प्रविधि है।

(e) अलगाव
Alienation

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

कार्ल मार्क्स की अलगाव की अवधारणा में श्रमिकों द्वारा निर्मित उत्पादन के माध्यम से अलगाव की प्रकृति निम्नलिखित रूप में देखी जाती है—

अलगाव के प्रकार:

कार्ल मार्क्स ने अलगाव के चार प्रमुख प्रकारों का वर्णन किया है—

(1). उत्पादन की प्रक्रिया से अलगाव:—

श्रमिक केवल वस्तुओं का उत्पादन करता है और वह इस प्रोग्राम नहीं होता कि स्वयं के द्वारा उत्पादित की जा रही वस्तुओं का उपयोग वह ले, जिसके कारण वह अलगाव की स्थिति में आ जाता है।

उदाहरण: भारत में गिग (Gig) वर्कर्स।

(स्वैच्छी, जोमेटी, डोल्ला, आदि) आदि में कार्यरत श्रमिक।

(2). उत्पादन की प्रक्रिया से अलगाव :

ग्रहिक स्वयं श्राव कार्य करता है जिससे इंजीनियर का
निर्गत रोल होता है जिससे कि कार्पारेशन तनाव के कार
न से अलगाव ।

उदाहरण : कार्पारेशन से दूर से 1% लोगों के पास
जी कि अधिक व्ययवान हैं देखकर 45% संपत्ति है।

(3). स्वयं से अलगाव :

ग्रहिक अपनी प्रतिक्रिया स्वयं कार्य तनाव के कारण स्वयं
से अलगाव महसूस करता है।

(4). इससे से अलगाव :

सांसादिक संकेतों की व्ययजो स्थिति के कारण
इससे से अलगाव महसूस करता है।

इस प्रकार कहा जा सकता है कि केवल कार्य संकेत
स्वयं अत्यंत स्थिति न मिलने के कारण अलगाव
का जन्म होता है।

2. (a) मार्क्स ने उत्पादन के छह विकासवादी तरीकों के संदर्भ में समाज की संकल्पना की है। विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये।

20

Marx has conceptualised society in terms of six evolutionary modes of production. Elaborate.

20

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

कार्ल मार्क्स अपने ऐतिहासिक भौतिकवादी सिद्धांत
की अवस्था में उत्पादन के छह विकासवादी तरीकों
को सम्मोचक करते हुए विभिन्न कालों में समाज
की स्थिति एवं प्रभाव के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी
प्रदान करते हैं।

(1) उद्विकासीय अवस्था:

समाजशास्त्र की इस अवस्था में प्रांशिक संबंधों की
प्रभावता पायी जाती है जहां पर जीवन निर्वाह हेतु
प्राकृतिक शक्तों को प्रमुख रूप से निर्भरता का अधिकार
पाया जाता है। मानून, चरन आदि जैसे तत्वों की
कोई स्थिति नहीं है।

(2) दास एवं खासत :

दास एवं खासतवासी युग में एक बड़े तरह जितने सामाजिक प्रसिद्धा हासिल थी खासत के रूप में दासों से अपने कार्य करता है। दासों का शोषण करता है एवं उनके मौलिक अधिकारों का हनन करता है।

(3) कृषक एवं जमींदार

विकास की तृतीय अवस्था में कृषक एवं जमींदार की शोकात्मकता का समावेशन पाया जाता है जहाँ कृषक जमींदार के खेती कार्य करता है एवं अपने के निम्न अधिकारों की प्राप्ति करता है जिससे कि शोषण की दीर्घ प्रक्रिया के रूप में

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

वृत्त के अधिकारों का जमीन का आकृति किया जाता है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

(4). प्रंजीपति एवं श्रमिक वर्ग:

हैंग्स (Have's) और हैव नाट (Have'nt) के आधार पर उत्पादन के सभी साधनों पर प्रंजीपति का अधिकार होता है जिससे श्रमिक वर्ग की शोषण और प्रवृत्ति होती है। जिससे श्रमिक असंतोष उत्पन्न होता है।

(5). कार्ल मार्क्स ने दास के दिल में इस अवस्था को साम्राज्यवादी अवस्था कहा है जबकि पंडितों का दास शोष के माध्यम से प्रंजीपति वर्ग का विनाश कर दिया जाता है एवं साम्राज्यवादी साम्राज्यिक युद्ध आरंभ होगा।

(6). साम्राज्यवादी युद्ध:

साम्प्रदायिक युग में समानता, स्वतंत्रता जैसे मूल्यों
 द्वारा राज्य की शोषणकारी प्रवृत्ति को समाप्त हो
 जाएगी जिससे कोई भी नेतृत्व न लेकर जनता
 स्वयं अपनी प्राथमिकता होगी, कोई शोषण नहीं
 होगा। मार्क्स कहते हैं कि वह स्थिति सही नहीं
 जब साम्प्रदायिक और स्थानिक होंगे।

इस प्रकार कार्ल मार्क्स उपरोक्त दृष्टियों के माध्यम
 से विकास के कार्यक्रम के रूप में विस्तृत जानकारी
 उपलब्ध कराते हैं।

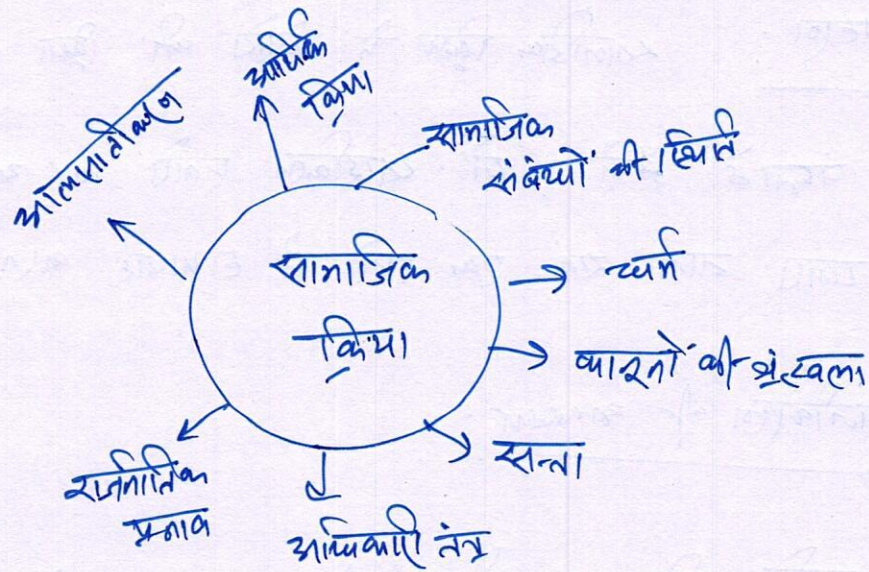
उम्मीदवार को इस
 हाशिये में नहीं
 लिखना चाहिये।
 (Candidate must
 not write on this
 margin)

(b) वेबर ने तर्क दिया कि समाजशास्त्र की विषय-वस्तु सामाजिक क्रिया है।

Weber argued that subject matter of sociology is social action.

20 उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
20 लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

वेबर के अनुसार सामाजिक क्रिया सामाजिक मूल्यों, मानदंडों, सन्ता, अधिकृत आदि को जानने और एक अंतर्वस्तु है। सामाजिक क्रिया डाए है सामाजिक संबंधों के आचारप्रवृत्त तत्वों को समझा जाता है।



वेबर ने निम्नलिखित आचारों को सामाजिक क्रिया की विषय-वस्तु के रूप में शामिल किया है -

सामाजिक साहचर्य:

सामाजिक क्रिया एक साहचर्य के रूप में व्यापकता संबंधों की रेखा प्रदान करती है जिससे कि सामाजिक संबंधों की विशेषताएँ अभिव्यक्ति को समझा जा सकता है।

उदाहरण: सामाजिक क्रिया में दोषों की क्रिया से प्रभाव पड़ता है जैसे - दो साइकिल सवारों का आपस में टक्का लगा जाना एवं एक दूसरे से हाथापाई करना।

सामाजीकरण की अवस्था:

सामाजिक क्रिया सामाजीकरण की अवस्था का बोध करती है कि किस प्रकार बाल, मानवता आदि के द्वारा सामाजिक अभिव्यक्ति को समझा जा सकता है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

सामाजिक संबंधों की आधारशिला :

सामाजिक क्रिया अंतर्निहित संबंधों के माध्यम पर समाजशास्त्र की विषय वस्तु एवं इसकी संरचना की समझने पर बल देती है।

परम्परागत क्रिया :

परम्परागत कार्यक्रमों, मूल्यों, मानदंडों की परिपक्वता के बिना ही अडिक्ता होती है।

सामाजिक क्रिया का विश्लेषण :

वेदा या भावना यह कि समाजशास्त्र की विषय-वस्तु में सामाजिक क्रिया के उद्देश्यों की स्थिति का निर्धारण किया जाना आवश्यक है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

इस हेतु सामाजिक विज्ञान की प्रशिक्षण से समझ और-
यादगिरि जिससे कि छात्रों के कानों एवं हृदय को
के तक और समझा जा सके।

नैतिक वेब और सामाजिक विज्ञान पर दृष्टिकोण समझाया
अध्ययन में एक प्रकार के रूप में समाज की
समझने एवं आलोचना कार्य करने हेतु योग देता है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

(c) मैक्स वेबर द्वारा प्रतिपादित नौकरशाही की प्रमुख विशेषताओं पर चर्चा कीजिये।

Discuss the major features of Bureaucracy as constructed by Max Weber.

10 उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
10 (Candidate must
not write on this
margin)

मैक्स वेबर ने नौकरशाही को एक आदर्श प्रकार के प्रशासनिक ढांचे के रूप में प्रस्तुत किया है, जो आधुनिक औद्योगिक समाजों के प्रशासनिक कार्यों की एक व्यवस्थित एवं प्रभावी निष्पादन विधि का होता है।

नौकरशाही की विशेषताएं :-

⇒ पदानुक्रमित ढांचा :

अधिकारी तंत्रों के कार्य व्यवस्थित एवं पदानुक्रम रूप में शुरू रूप से परिभाषित होते हैं;

⇒ विषयात्मक नियम एवं मानक प्रक्रिया :

कार्य करने हेतु नियमों की एक लिखित एवं अनिवार्य मंजूरी होती है।

⇒ कार्य विभाजन :

आधिकारी का स्पष्ट विभाजन होता है। जो कि कार्य फीता एवं प्रभावशीलता को बढ़ाता है।

⇒ विशेषज्ञता :

प्रत्येक अधिकारी अपनी विशेषज्ञता के आधार पर कार्य को अंजाम देता है।

इस प्रकार यह जरूर रहता है कि गैरआवृत्ति अवस्था में कार्यों के आधार पर विस्तृत संज्ञानात्मक प्रदान होती है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

3. (a) मैक्स वेबर और एमिल दुर्खाइम के दृष्टिकोण से धर्म के विचार की तुलना और विभेद कीजिये।

Compare and Contrast the idea of religion from the perspective of Max Weber and Emile Durkheim.

20 उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
20 (Candidate must
not write on this
margin)

वेबर एवं दुर्खाइम दोनों सामाजशास्त्र के प्रमुख सिद्धान्तकारों के रूप में धार्मिक दृष्टिकोण की निम्नलिखित रूप से विवेचना करते हैं —

मैक्स वेबर का दृष्टिकोण :

धर्म एवं सामाजिक परिवर्तन : वेबर ने अपनी कृति द प्रोटेस्टेंट एथिक्स एंड द स्पिरिट ऑफ कैपिटलिज्म में धर्म की आर्थिक अङ्ग्रेज के आधार पर धर्म की उत्पत्ति के विचार की सामाजशास्त्रीय जाँच प्रस्तुत की है।

→ धर्म की व्याख्या : वेबर धर्म की व्याख्याओं के निर्माण और सामाजिक विभागों के बारे में देखते हैं जो एक व्यापक सामाजिकता में अंतर्गत एवं अलग-अलग परिपक्व होती हैं।

संगीत दुर्खीन का दृष्टिकोण :

दुर्खीन ने धर्म की राजकीयता से एक स्वीकृत सत्ता के रूप में शामिल किया है। उसी प्रकार हम द शलिमेन्ट्री फार्मि आफ रिजिस्ट्रिड लार्क में धर्म संबंधी राजकीय संस्थाओं की आस्था सिद्धांत का विस्तृत वर्णन मिलता है।

⇒ रोटपाड एवं धर्म :

दुर्खीन आस्ट्रेलिया की अंशज जनजाति के अद्यतन के आस्था पर धर्म में पवित्रता एवं अपवित्रता के आस्था पर रोटपाड की दृष्टि के संदर्भित करते हैं।

मेक्स वेकर एवं एमील दुर्खीन के धार्मिकता के प्रारूप एवं विधियों में अग्रलिखित अंतर दिखते हैं —

धर्म एवं सामाजिक परिवर्तन में अंतर:

वेक जहां का आर्थिक विकास को धर्म भी उत्पत्ति में योगदान देते हैं। वहीं दुर्भाग्य धर्म को समाज में वास्तविक कार्य प्रणाली को लाने में देवते हैं।

वेक के अनुसार सोरे २००५ की अन्तराष्ट्रीय अन्वेषण एवं कैलिब्रेशन धर्म की आर्थिक विकास के अन्वेषण में धर्म को परिभाषित करने में योगदान देता है।

दुर्भाग्य समाज को धर्म का प्रमुख अंग मानते हैं। एवं यहां तक कहते हैं कि "धर्म ही वास्तविक देवता है"।

वेक धर्म के सामाजिक एवं आर्थिक बदलाव का वाहक मानते हैं।

दुर्भाग्य सामाजिक आर्थिक एवं एकात्मता का प्रेरक मानते हैं।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)



वेका चर्चा की सलाह में आर्थिक गतिविधि एवं
सांसाधन प्रणालियों की आवश्यकताओं को प्रस्तुत की
की विधि के लिए में देखते हैं।

दुर्लभ चर्चा को पवित्र एवं अपवित्र आध्यात्मिक
विधि के लिए में देखते पा जोर देते हैं।

कहा जा सकता है कि दोनों विचारों में चर्चा की सलाह
पा जोर देकर समाज की विभिन्न अवस्थाओं में समझने
एवं आर्थिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक रूप से चर्चा की-
विधि को कला में भोगदान दिया है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

(b) दुर्खाइम का कहना है कि विज्ञान का जन्म धर्म से हुआ है। क्या यह सत्य है? टिप्पणी कीजिये।

Durkheim says Science is born out of Religion. Is it true? Comment.

20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं

20

लिखना चाहिये।

(Candidate must

not write on this

margin)

एमील दुर्खाइम ने अपनी पुस्तक द एलिमेंट्री फार्म्स

ऑफ रिलिजियस लाइफ (The Elementary Forms of Religious

Life) में धर्म की उत्पत्ति के बारे में बताते हैं कि

धर्म एवं विज्ञान एक ही स्रोत पर अन्वेषित हैं।

आखिर होकर सामाजिकता की प्रक्रिया में भेजा देता है।

दुर्खाइम के अनुसार धर्म:

⇒ सामाजिक संकीर्णता का साधन : धर्म का गुण धर्म समाज

में एकता एवं समन्वय स्थापित करने के लिए सामान्य रूप में भेजा देता है।

⇒ सामाजिक समूहों के बीच अप्रतिष्ठा एवं प्रतिष्ठा

की अवधारणा की संरचना होती है।

दर्शन का मूल: दर्शन वास्तविक उद्देश्यों एवं मूल तथ्यों के साथ गतिमत्ता एवं मूल्यों की परिभाषा पर आधारित होता है।

दर्शन का स्थापित्व:

दर्शन स्थापित्वों के माध्यम से सामाजिक सत्ता में गतिशीलता आए रखता है। दुर्घटना के अडल आश्रित समझों में भी दर्शन ने समाज के स्थापित्वों के रूप में निष्कर्ष स्थापित किया है।

* विज्ञान

⇒ तर्क एवं अनुभव की स्थिति: दुर्घटना के अडल दर्शन पारंपरिक समझों में प्रमुख स्थिति के रूप में

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।

(Candidate must
not write on this
margin)

सामाजिक अभिवृद्धि की अवस्था के लक्ष्य के लिए, पढ़ाई
आधुनिक समाजों में विज्ञान का वर्चस्व दिखाई देता है।
हालांकि दुर्भाग्य से अभी मानने की चर्चा ने शुरू की है
विज्ञान को प्रतिस्थापित कर दिया है।

समाज में बदलाव:

यदि जहां परंपरागत मूल्यों के क्षेत्र के रूप में जीवन
का आधार रहा है वहीं विज्ञान प्रौद्योगिकी, तकनीक एवं
आधुनिकीकरण के आधार पर जीवन के विभिन्न पहलुओं
को शामिल करने पर जोर देता है।

विज्ञान एवं आधुनिकीकरण

- शारीरिक एवं औद्योगिकीकरण के लिए में सामाजिक परिवर्तन
- प्रवास : एक संस्था से दूसरी संस्था में
- रोजगार : सामाजिक अधिकार प्रतिमान परिवर्तन
- आर्थिक नियम : 29 प्रतिष्ठा में लक्ष्य

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

चर्चा एवं विज्ञान की अभेद्यता :

चर्चा जहां संप्रविष्टा एवं अप्रविष्टा के लय में चालिखी
अडकिपा के गहमन से पगहवा एवं जाइ को
मानता है वहीं विज्ञान प्रयोगात्मक अडकिपा की- रिफार्म
के सिद्धांत से लम्बे के गहमन में परिणाम देता है।

एक समय कहा जा सकता है कि चर्चा एवं विज्ञान एक
इसो में आत्मनिर्दिष्ट को पोषित करते हैं।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)



(c) आदर्श प्रारूप को परिभाषित कीजिये और सामाजिक घटनाओं को समझने के लिये वर्स्टेहेन की व्याख्या कीजिये।

10

Define Ideal type and explain verstehen for understanding social phenomena.

10

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

मैक्स वेबर ने आदर्श प्रारूप की अवधारणा को सामाजिक और सामाजिक आउटपुट की एक महत्वपूर्ण विधि के रूप में प्रस्तुत किया है, जो कि सामाजिक घटनाओं की जटिलता को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

आदर्श प्रारूप की परिभाषा:

आदर्श प्रारूप एक परिभाषा की संकल्पना को समझने के लिए विशेष गुणों एवं अवयवों को उल्लेखित करते हैं। स्थिति के बारे में जानकारी देता है।

आदर्श प्रारूप को समझने हेतु वर्स्टेहेन:

⇒ सांस्कृतिक विश्लेषण:

सांस्कृतिक अध्ययन की अवस्था उपलब्ध करवाती है।

⇒ तुलना एवं विश्लेषण:

विभिन्न सामाजिक धाराओं से बहते-हले की स्थिति से तुलना करते में सादृश्यता मिलती है।

⇒ सैद्धांतिक आधार:

बहते-हले धारा और गहराई में जाकर साक्ष्यों को समझने एवं सिद्धांतों के आधार से संबंधित करने स्थिति का बेहतर अदृश्यता करने में योग देता है।

इस प्रणाली का मतलब है कि बेहतर का आधार सामाजिक, राजनीतिक, नैतिक, धार्मिक, आदि को समझने में विस्तृत श्रमिका निम्नानि की स्थिति में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)



4. (a) पूँजीवाद के उदय के साथ हम अनौपचारिक क्षेत्र का उदय देखते हैं। कार्य के औपचारिक और अनौपचारिक क्षेत्रों के बीच अंतर का उल्लेख करते हुए चर्चा कीजिये।

20

With the rise of capitalism, we see the rise of the informal sector. Discuss and mention the difference between the formal and informal sectors of work.

20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।

(Candidate must
not write on this
margin)



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)



- (b) सामाजिक स्तरीकरण के एक महत्त्वपूर्ण उपागम के रूप में जेंडर का परीक्षण कीजिये।
Examine gender as a significant aspect of social stratification.

20 उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
20 (Candidate must
not write on this
margin)



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)



- (c) प्रत्यक्षवाद क्या है? प्रत्यक्षवाद की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये और इसकी समालोचना कीजिये।
What is Positivism? Highlight features of positivism and also tell its critique.

- 10 उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
10 (Candidate must
not write on this
margin)



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)



खण्ड-ख/ SECTION - B

5. Answer the following in about 150 words each:

निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिये:

(a) समाजशास्त्रीय अनुसंधान में मूल्य तटस्थता।

Value Neutrality in sociological research.

10 × 5 = 50

10 × 5 = 50

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।

(Candidate must
not write on this
margin)

मूल्य तटस्थता से तात्पर्य ऐसी स्थिति से है जब
बिना किसी पूर्वाग्रह के अनुसंधान की प्रक्रिया
अस्तित्व में है।

समाजशास्त्रीय अनुसंधान में मूल्य तटस्थता का मतलब:

- ⇒ भावनाओं पर ध्यान न देना
- ⇒ ईमानदारी से तथ्यों का संकलन
- ⇒ तत्कालीन अभिवृत्तियों की समीक्षा
- ⇒ अपरिचित पूर्वाग्रह से बचाव
- ⇒ अवलोकन की प्रासंगिकता को प्राथमिकता
- ⇒ अपरिचित तथ्यों पर नियंत्रण

मूल्य तथ्यों हेतु अनिवार्यता:

- ⇒ वस्तुनिष्ठता
- ⇒ भावना पर नियंत्रण
- ⇒ निजता का सम्मान (सहजगी अवलोकन में)
- ⇒ उच्च प्रतिक्रिया पालन
- ⇒ तटस्थता भाव से अनुसंधान कार्य
- ⇒ सूक्ष्म एवं स्थूल तटस्थता अभिव्यक्ति।

इस प्रकार कह जा सकता है कि मूल्य तटस्थता अनुसंधान
मार्गों हेतु अनिवार्य तत्वों के रूप में शामिल होती है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

(b) डेटा संग्रह और विश्लेषण में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) का उपयोग।

Use of ICT in Data collection and analysis.

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

समाजशास्त्र में अनुसंधान कार्यों के क्रम में डेटा संग्रह
और विश्लेषण में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT)
का विशेष महत्व है।

डेटा संग्रह में ICT का उपयोग:

⇒ तथ्यों को संरक्षित करने हेतु

उदाहरण : कंप्यूटर, लैपटॉप, डिस्क, हार्ड ड्राइव

⇒ सूचना प्रदान करने हेतु

उदाहरण : प्राप्त की गई सूचना को मध्यस्थता प्रसारित
करना।

⇒ तकनीकी प्रयोग हेतु

उदाहरण : AI, मशीन लर्निंग एप्लिकेशन का उपयोग

सूचना एवं संचार और तकनीक के लाभ:

- ⇒ समय एवं धन और व्यय
- ⇒ ऑनलाइन सूचना के माध्यम से आसानी
- ⇒ डेटा का विस्तृत रूप से प्राप्त करना
- ⇒ प्रैक्टिकल परीक्षणों हेतु डेटा संकलन में सहायता
- ⇒ संचार की स्थिति एवं अंतराष्ट्रीय भाषाओं के अनुवाद

ICT से लाभ:

- ⇒ वस्तुनिष्ठता और समस्या
- ⇒ सीमित जानकारी
- ⇒ भ्रमपूर्णता पर जोर

उक्त के संदर्भ में कहा जा सकता है कि डेटा संचालन एवं विश्लेषण में ICT का महत्व दिनों दिन बढ़ता जा रहा है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

(c) मर्टन का मध्य सीमा सिद्धांत

Merton's middle range theory

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

मर्टन का मध्य सीमा सिद्धांत शारीरिक अध्ययन के
आध्यक्ष पक्षों के बीच संबंधों के स्थायी प्रदान करता है
है कि किस प्रकार सामाजिक अंतःक्रिया का गुणवत्ता उत्पन्न
होता है।

मध्य सीमा सिद्धांत की विशेषताएं:

⇒ सामाजिक अंतःक्रिया के सहायक।

सामाजिक क्षेत्र के लिए वे सातह स्थापित करते हैं
जोम होते हैं।

⇒ धर्म, प्रेरितता, प्राथमिक संबंधों और अनुकूलनशीलता
के समझने के सहायक।

⇒ समाज के लोगों एवं आर्थिक, सामाजिक सज्जता में दृष्टि करते एवं समझते में योगदान देते हैं।

⇒ जातिपन, भेदभाव, भाषाई आधारों के बारे में संकल्पों की निवृत्ति एवं गतिशीलता

⇒ संदर्भ समूहों एवं विद्वानों के साथ अंतर्संबंधों पर निरंतर योगदान।

इस प्रणाली पर ध्यान देते हैं कि सर्वोच्च मूल्यों का भरण होना विद्वानों समाज को समझने के लिए आर्थिक, राजनैतिक एवं सांस्कृतिक आधारों पर आधारित है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

(d) समान नागरिक संहिता का समाजशास्त्र
Sociology of Uniform Civil Code

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

समान नागरिक संहिता से तात्पर्य कानूनों के ऐसे सेट से है जहाँ सिविल एवं आपराधिक कानूनों दोनों एकल स्त्रोतों में निम्न निम्न धार्मिक समूहों पर लागू होते हैं।

भास्कर संदर्भ में समान नागरिक संहिता का समाजशास्त्र:

भारत के संविधान में भाग 4 में राज्य के नीति निर्देशक तत्व (DPSP) की धारा 44 में उल्लेख है कि राज्य सभी नागरिकों हेतु समान नागरिक संहिता को लागू करेगा।

प्रभाव:

समान नागरिक संहिता से निम्न प्रभाव पड़ सकते हैं —

⇒ विवाह: भारत में वैवाहिक कानून है अनुच्छेद-2

धर्म के अनुसार कानूनों की शिखा

347एन हिंदू विवाह अधिनियम — 1955

अंग्रेज विवाह अधिनियम 1939

मुसलमान विवाह अधिनियम — 1872

⇒ गौड लेन

⇒ दंपति का अधिकार

⇒ तलाक संबंध

⇒ धार्मिक गतिविधियां

अधिकांश के संदर्भ में कहा जा सकता है कि समाज

वर्गीय संस्था सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक;

सांस्कृतिक आचारों का समाज को प्रभावित करती है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

(e) कृत्रिम बुद्धिमत्ता के समाजशास्त्रीय निहितार्थ।

Sociological implications of Artificial Intelligence.

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।

(Candidate must
not write on this
margin)

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) से अभिज्ञात मशीनों की
बेहती स्थिति है जब वह अपनी संख्या के आड़ में
हिप जॉब (रूठलित) ठगों के आचरण पर अनुक्रिय करे
हेतु स्वयं को व्यात्मक स्थिति को प्राप्त कर लेती है।

AI और सामाजिक निहितार्थ:

⇒ मशीनों द्वारा मानव के प्रतिस्थापन का खतरा

जिससे समाज में आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं
आर्थिक प्रभाव पड़ता है।

⇒ सांख्यिक संकेतों में कमी:

मशीनीकरण की स्थिति से समाज में आधुनिकता

आगे बढ़ा सामाजिक होने के कारण धर्म, नैतिकता,



कला आदि जैसे क्षेत्रों में गिनाए जा
सकती हैं।

AI राजा की पहिनावा में विभिन्न बदलाव ला
सकती है

उदाहरण के लिए : साहित्य एवं सामाजिक अंतर्दृष्टि
में अंतर परिलक्षित हो सकते हैं।

बता जा सकता है कि 1 कृत्रिम बुद्धिमत्ता राजा को
आर्थिक, सांख्यिक, भौगोलिक आदि परिवर्तन
आ-सकती है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)



6. (a) हाल ही में, तालिबान ने अफगानिस्तान की राजनीतिक और सामाजिक स्थिरता को विक्षोभित करते हुए उस पर बलपूर्वक अधिकार कर लिया है। ऐसी घटनाओं का बड़ा कारण धार्मिक कट्टरवाद बताया जाता है। टिप्पणी कीजिये।

20

Recently, Taliban has captured Afghanistan shaking its political and social stability. Religious fundamentalism is said to be a major cause of such incidents. Comment.

20

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।

(Candidate must
not write on this
margin)



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।

(Candidate must
not write on this
margin)



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)



- (b) हाल ही में मणिपुर की महिला के साथ दो समुदायों के बीच जातीय संघर्ष के कारण यौन हिंसा की भयावह घटना हुई है। संघर्ष सिद्धांत के आलोक में मुद्दे का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिये। 20

Recently women of Manipur has witnessed horrifying incident of sexual violence due to Ethnic clash between the two communities. Critically analyse the issue in light of conflict theory. 20

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)



- (c) कार्ल मार्क्स के वर्ग संघर्ष की अवधारणा की व्याख्या कीजिये। यह भी बताइए कि पूंजीवाद के दौर में यह संघर्ष और भी तीव्र हो गया।

10

Explain the concept of Class Struggle by Karl Marx. Also tell this struggle is intensified in an era of capitalism.

10

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।

(Candidate must
not write on this
margin)



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।

(Candidate must
not write on this
margin)



7. (a) मर्टन के तनाव सिद्धांत की व्याख्या कीजिये। मर्टन द्वारा बताए गए तनाव के पाँच अनुकूलन को भी सविस्तार स्पष्ट कीजिये।

20

Explain Merton's Strain theory. Also elucidate about five adaptations to strain as mentioned by Merton.

20

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)



(b) विचार के अस्तित्व के लिये सामाजिक अंतःक्रिया बेहद आवश्यक है। मीड के विचारों के आलोक में सविस्तार स्पष्ट कीजिये।

Social interaction is vital for a mind to exist. Elucidate in the light of Mead's views.

20

20

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)



उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)



(c) प्रतीकात्मक अंतःक्रियावाद क्या है? संबंधित विचारधारा का संदर्भ देते हुए सविस्तार स्पष्ट कीजिये।

What is symbolic interactionism? Elucidate by citing respective school of thoughts.

10 उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
10 (Candidate must
not write on this
margin)



उम्मीदवार को इस
हार्शिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

8. (a) जाति, जेंडर और नृजातीयता जैसे कारकों की अंतर्संबंधता को ध्यान में रखते हुए, विविध समाजों में सामाजिक स्तरीकरण की गतिशीलता का परीक्षण कीजिये।
 Considering the intersectionality of factors such as caste, gender, and ethnicity, examine the dynamics of social stratification in diverse societies.

20

20

उम्मीदवार को इस
 हाशिये में नहीं
 लिखना चाहिये।
 (Candidate must
 not write on this
 margin)

जाति, जेंडर और नृजातीयता जैसे कारकों के सामाजिक
 गतिशीलता अधिकतम को विस्तृत रूप से प्रभावित किया है।
 ये अधिकतम समय तक भी दृष्टि से भी अधिक
 महत्वपूर्ण स्थिति की घोषणा करते हैं।

जाति:

⇒ जाति की गतिशीलता में जन्म का आधार प्रमुख भूमिका
 से जुड़ा होता है।

⇒ जाति प्रणाली: पारंपरिक आचारों की अधिकतम संरचना
 होती है।

⇒ जाति समूहों में आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक,
 सांस्कृतिक पैठ का प्रभाव होता है।

⇒ जाति मुख्यतः पेशागत प्रतिभागों को अपनाते या जोर देती हैं।

⇒ जाति में पवित्रता एवं अपवित्रता का आच्छादन होता है।

जेंग:

जेंग प्रमुख रूप से स्त्री-पुरुष एवं LGBTQIA+ के

रूप में समान को प्रभावित करता है -

⇒ स्त्रियों की निम्न स्थिति

⇒ LGBTQIA+ के अधिकारों की अनदेखी

⇒ पिछड़ाता का चरित्र

⇒ अफ्रीका रेल के रूप में पुरुषों की अपेक्षा

इसमें जेंडर की कम पहुँच या निम्न स्थिति

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

गुजातृयता :

- ⇒ ओदभाव एवं सामाजिक सहलगता के की.
- ⇒ सांस्कृतिक विलगता
- ⇒ आपसारी गतिविधियों का अभाव
- ⇒ सामान्यतः स्थापन
- ⇒ सांस्कृतिक संक्षण
- ⇒ भासा, भाषन आदि।

सामाजिक स्वरूपण की गतिशीलता:

प्रयोग समझ: प्राचीन समाजों के जाति, जेडा

संके गुजातृयता का अधिकतम राज्यों की अपेक्षा
संके गतिशीलता के राज्यों में शामिल रहा है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।

(Candidate must
not write on this
margin)

ज्ञान के सिंधु वाले क्षमता के मातृसन्तात्मक समाजों की-
प्रवृत्ति।

⇒ हिंदू धर्म के ज्ञाते प्रथा आध्यात्मिक प्रतिमान

⇒ पितृसन्तात्मक परिवारे की प्रचलनता

आधुनिक समाज:

2) वैवाहिक संबंधों के गतिशीलता

उदाहरण एकल विवाह, L G B T का न अधिकारों में शक्ति

⇒ शहरीकरण, प्रवास, मशीनीकरण, प्रौद्योगिकी से बढ़ती

गतिशीलता एवं ज्ञाते, जंग, हस्तप्रमाण भी निम्न स्थिति।

अपरोक्ष के आधार पर कहा जा सकता है कि विभिन्न लोगों

के गतिशीलता के समानात्मक सीक्वेंस आते हैं।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

(b) सामाजिक व्यवस्था के रूप में सामूहिकता पर एक टिप्पणी लिखिये।

Write a note on collectivity as a social system.

20 उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
20 लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

सांस्कृतिकता से तात्पर्य विभिन्न समाजों में विभिन्नता के होते हुए भी समीकरण की ऐसी स्थिति जो उत्पन्न करें अग्रतत्त्व एवं ये सामाजिक व्यवस्था को पक्ष एवं में परिवर्तित करती है।

सामाजिक व्यवस्था की सांस्कृतिकता के स्त्रोत:

धर्म: दुर्भाग्य के अग्रतत्त्व धर्म की सजी स्थिति समाज की अग्रतत्त्व के साथ आत्मसात करते हुए सांस्कृतिकता में योग देती हैं।

संस्कृतिकता एवं समीकरण:

वेद के अग्रतत्त्व सांस्कृतिकता से आशय सामाजिक

अधिकृत में सामाजिक व्यवस्था के आदर्श प्राप्त की प्रसिद्धता से माना जा सकता है। जिसमें पञ्चायत, कानून, धर्म, गैरशाही जैसे तत्व शामिल होती हैं।

⇒ राजनीति:

पेरेंटो के अनुसार सामाजिक व्यवस्था के अधिकृत में सामूहिक अवधारणा के रूप में राजनीतिक सत्ता का वर्चस्व स्थापित होता है जो दो स्तरों में समाज को प्रभावित करते हुए स्वीकारण में जोग देता है -

(i) शासक वर्ग (ii) शसित वर्ग (जिसे प्रशासन विभाग कहें)

⇒ आर्थिक अधिकृत:

सामाजिक व्यवस्था की सामूहिकता को कार्ल मार्क्स ऐतिहासिक भौतिकवाद और संकल्पना के अनुसार

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

6 (द्व) उद्दिष्टासित आद्योपपत्तये पुर कसे हे:-

- (1) आर्यिक आर्य
- (2) दास एवं साधन आर्य
- (3) कृषक एवं जमीन आर्य
- (4) दूजवादी एवं शक्ति वर्ग
- (5) समाजवादी आर्य
- (6) साम्यवादी आर्य

उक्त आर्योपपत्तये के आर्योपपत्तये किन किन रूप में
गर्व ने साक्षिका की बदलाव को परिभाषित किया है।

आधुनिक भारत एवं साक्षिका:

आधुनिक भारत के साक्षिका की स्थिति अग्रलिखित
रूप में शामिल होती है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

लैंगिक व्यवस्था :

- ⇒ विवाह अधिकांश में निविष्टता
- ⇒ LGBTQIA+ अधिकारों की अभिवृद्धि
- ⇒ पितृसत्ता में आए
- ⇒ शिक्षा एवं आउटरिचर वृद्धि (STEM)

क्षेत्रीय स्थिति एवं अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में आए:

- ⇒ अधिकारों की अंतर्राष्ट्रीय जागरूकता

उदाहरण : मोटू केम्पेन, ब्लैक लाइव मैट (प्रजातिय आवाज),
पेले वेल्थ ऑडोलेन आदि।

उपरोक्त के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह स्थिति, व्यापार के सापेक्ष सामाजिक व्यवस्था की सादृष्टि में गतिशीलता शामिल होती है।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

(c) संदर्भ समूहों के संरचनात्मक तत्वों पर प्रकाश डालिये और उनका मूल्यांकन कीजिये।

Highlight and evaluate structural elements of reference groups.

10 उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
10 (Candidate must
not write on this
margin)

प्रति ने संदर्भ समूहों के संरचनात्मक तत्वों को विस्तृत रूप में वर्णन किया है और अभिव्यक्ति में शामिल किया है।

संदर्भ समूह के संरचनात्मक तत्व:

प्रेरणादायी संदर्भ समूह:

ऐसे समूह जो 'आदर्श' के रूप में मानदंडों को प्रेरित करते हैं।

उदाहरण: परिवार एवं शास्त्र में जहाँ प्रभाव

सिद्धांतवादी संदर्भ समूह:

आदर्श के आत्म प्रमाणों पर जोर देते हैं।

उदाहरण: प्रमुख सामाजिक संघर्ष, एक भावने के समूह।



संदर्भ समूह की विशेषताएं.

- ⇒ स्वीकृति एवं मान्यता का स्तर
- ⇒ प्रेरणा और प्रभाव
- ⇒ सामाजिक पहचान
- ⇒ सामाजिक मानक एवं मूल्य

इस प्रकार कहें जा सकता है कि संदर्भ समूह
संस्कारात्मक रूप से सामाजिक अंतः क्रिया को प्रभावित
करते हुए गतिशीलता प्रदान करते हैं।

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं
लिखना चाहिये।
(Candidate must
not write on this
margin)

Feedback

Questions

Model Answer & Answer Structure

Evaluation

Staff



रफ़ कार्य के लिये स्थान
(Space for Rough Work)



रफ़ कार्य के लिये स्थान
(Space for Rough Work)